गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

चयन आधारित क्रेडिट व्यवस्था की पाठ्यचर्या के अंतर्गत **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम**

(Choice Based Credit System)

विषय नाम: हिंदी

प्रश्न पत्र सूची

प्रथम सेमेस्टर

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	हिंदी साहित्य का इतिहास भाग 1	4
2		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	भारतीय काव्य-शास्त्र	4
3		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	हिंदी काव्य:आदिकाल एवं भक्तिकाल	4
4		विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	कथा साहित्य	4
5		सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	हिंदी का वैश्विक परिदृश्य	4
			Total		20

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

द्वितीय सेमेस्टर

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	हिंदी साहित्य का इतिहास भाग 2	4
2		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	पाश्चात्य काव्य-शास्त्र	4
3		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	हिंदी काव्य;आधुनिक काल	4
4		विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	हिंदी नाटक	4
5		सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	शोध प्रविधि	4
			Total		20

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

तृतीय सेमेस्टर

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	भाषा-विज्ञान	4
2		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	निबंध एवं अन्य विधाएँ	4
3		विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	लोक भाषा एवं लोक-साहित्य	4
4		सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	जन-संचार माध्यम और हिंदी पत्रकारिता	4
5		On-Job Experience (OJT) course or Community Engagement Experience (CEE)	1		4
			Total		20

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

चतुर्थ सेमेस्टर

क्रम	पेपर कोड	प्रकार	प्रश्न पत्र निर्धारण	पेपर नाम	क्रेडिट
1		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	प्रयोजनमूलक हिंदी	4
2		विषय केन्द्रित अनिवार्य कोर्स (DCC)	1	भारतीय साहित्य:पाठालोचन	4
3		विषय विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स (DSE)	1	हिंदी की आलोचना दृष्टियाँ	4
4		सामान्य ऐच्छिक कोर्स (GE)	1	अस्मितामूलक अध्ययन और हिंदी साहित्य	4
5		Dissertation/Project/Field Study (DPR) course, Internship or On-Job Experience (OJT) Or Course Seminar (SEM), Research Credit Courses (RCC).	1		4
			Total		20

- OJT:On Job Experience
- CEE:Community Engagement Experience
- RCC:Research Credit Course
- DPR: Dissertation/Project/Field Study
- SEM:Course Seminar

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA
M.A
Two Year Post Graduate Course
Semester I
HINDI LITERATURE
DCC
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

इकाई-1 : हिंदी साहित्य लेखन - इतिहास :एवम आदिकाल

• हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का परिचय

• हिंदी साहित्य काल विभाजन एवं नामकरण :

आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठभूमि

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य

• रासो काव्य

• लौकिक साहित्य

इकाई-2 : भक्तिकाल पूर्वमध्यकाल(

• भक्ति आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप

भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि

भक्तिकाल की धाराएँ :

(1) निर्गुण धारा ज्ञानाश्रयी शाखा),प्रेमाश्रयीसूफी शाखा(

(2) सगुण धारा रामभक्ति शाखा), कृष्णभक्ति शाखा(

(3) अन्य काव्य

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

इकाई३- : रीतिकाल)उत्तर मध्यकाल(

• युगीन पृष्ठभूमि राजनीतिक), सामाजिकआर्थिक परिवेश-सांस्कृतिक-, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति(

- नामकरण की समस्या
- पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख एवं गौण कवि तथा उनका काव्य ;केशव, बिहारी, देव, मतिराम, घनानंद, बोधा , आलम, ठाकुर,गुरुगोविंद सिंह, रज्जब
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं की विभेदक विशेषताएँ

सहायकग्रंथ:

- हिंदी साहित्य का इतिहास:आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका :आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत आचार्य :आचार्यविश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास :रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य उद्भव और विकास आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी :
- हिंदी साहित्य का इतिहास नगेन्द्र .संपा -
- हिंदी साहित्य का आदिकाल :आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि :मैनेजर पांडेय
- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध : मुकेश गर्ग
- भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार : संपा गोपेश्वर सिंह .
- आदिकालीन हिंदी साहित्य अनिल राय .संपा : अध्ययन की दिशाएँ :

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA
M.A
Two Year Post Graduate Course
Semester I
HINDI LITERATURE
DCC
भारतीय का शास्त्र-

इकाई-1

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा आचार्य) भरतमुनि से पंडितराज जगन्नाथ तक (

2. काव्यलक्षण -, काव्यहेतु-, काव्यप्रयोजन-

इकाई-2

3. रस स्वरूप और लक्षण :, रस के अंग तथा रस के भेद

4. शब्द शक्तियाँ

5. गुण एवं दोषलक्षण और भेद :

इकाई 3

6. अलंकार लक्षण और भेद :

शबदालंकार :अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति ।

अर्थालंकार : उपमा, रूपक, अपहनुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, व्यतिरेक, विरोधाभास,

विभावना, विशेषोक्ति, अत्युक्ति ।

7. छन्द

(क समवर्णिक (- भुजंगप्रयात, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीड़ित, सवैया घनाक्षरी । (भेद सहित)

(ख सममात्रिक (- उल्लाला चौपाई, रोला, हरिगीतिका ।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

(ग सममात्रिक-अर्द्ध (- बरवै, दोहा, सोरठा

(घकुंडलिया - विषम सममात्रिक (, छप्पय ।

8. काव्य रूप पद्य : एवं उपरूपक श्रव्यकाव्य (रूपक) दृश्यकाव्य :, गद्य, चम्पू, प्रबंध एवं मुक्तक

सहायक ग्रंथ

काव्य दर्पण	-	रामदहिन मिश्र
रस मीमांसा	-	आचार्य रामचंद शुक्ल
काव्य मीमांसा	-	तीश्रीकण्ठैय्या .न.
रससिद्धांत-	-	नगेन्द्र
साहित्यसहचर-	-	आहजारीप्रसाद द्विवेदी .
भारतीय काव्यशास्त्र सुबोध विवेचन :	-	सत्यदेव चौधरी
काव्यतत्व विमर्श	-	राममूर्ति त्रिपाठी
सिद्धांत और अध्ययन	-	बाबू गुलाबराय
साहित्यसिद्धांत-	-	रामअवध द्विवेदी
काव्य के तत्व	-	देवेन्द्रनाथ शर्मा
काव्यशास्त्र	-	भगीरथ मिश्र
साधारणीकरण और काव्यास्वाद	-	राजेन्द्र गौतम
साहित्य का स्वरूप	-	नित्यानंद तिवारी
भारतीय आलोचनाशास्त्र	-	राजवंश सहाय 'हीरा'

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA
M.A
Two Year Post Graduate Course
Semester I
HINDI LITERATURE
DCC
आदिकालीन और भक्तिकालीन काव्य

इकाई 1:गोरखबानी : (स.) पीतांबर दत्त बड़थ्वाल

पद– 1 से 20 तक

पृथ्वीराज रासो (स.) माताप्रसाद गुप्त

कयमा सवध (संपूर्ण)

इकाई 2:

- **कबीर**

  कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी

  पद संख्या 35. 108. 112 123 126, 134, 153, 168, 181. 206. 250 (कुल 11)

  साखी संख्या 103, 113, 139, 157, 190, 191, 199, 200. 201 231, 237 (कुल 11)

- **जायसी**

  जायसी – ग्रंथावली रामचंद्र शुक्ल (सं.)

  नागमती वियोग खंड

इकाई 3

- **सूरदास**

  "भ्रमरगीत सार रामचंद्र शुक्ल (सं.) रामचंद्र शुक्ल

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

पद संख्या : 3. 4. 7, 9, 11, 16, 18, 21, 22, 24, 30, 34, 37, 42. 45, 52, 62, 75, 85, 100, 125. 133 (कुल 22)

- **तुलसीदास**

  विनय पत्रिका (स.) वियोगीहरि

  पद संख्याः 90, 101, 102, 105, 111, 112, 115, 116, 117, 119, 120, 121, 123, 124, 162, 167, 172, 174, 198, 201 (कुल 20)

स्तिावित पुस्तकें:

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश
3. नाथ संप्रदाय– :हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग – नामवरसिंह
5. पृथ्वीराज रासो की भाषा – नामवरसिंह
6. प्राकृत अपभ्रंश साहित्य और उसका हिंदी पर प्रभाव – रामसिंह तोमर
7. सिद्ध–साहित्य : धर्मवीर भारती
8. अपभ्रंश भाषा और साहित्य – राजमणि शर्मा
9. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह
10. आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ – अनिल राय
11. गोरखनाथ और उनका युग – रांगेय राघव
12. गोस्वामी तुलसीदास :रामचंद्र शुक्ल
13. तुलसी आधुनि कवातायन से – रमेश कुंतल मेघ
14. लोकवादीतुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी
15. तुलसीकाव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
16. गोसाई तुलसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
17. सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
18. सूर साहित्य– हजारीप्रसाद द्विवेदी
19. महाकवि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी
20. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
21. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा
22. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
22. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
23. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
24 जायसी – विजय देवनारायण साही

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA
M.A
Two Year Post Graduate Course
Semester I
HINDI LITERATURE
DSE / GE
हिंदी कथा साहित्य

(क) उपन्यास

इकाई–1 गोदान :प्रेमचंद

इकाई–2 : मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई–3 कहानी

- उसने कहा था : चन्द्रधर शर्मा; "गुलेरी"
- कफ़न: प्रेमचंद
- मधुआ :जयशंकर प्रसाद
- हीलीबॉन की बतखें :अज्ञेय
- ज़िन्दगी और जोंक:अमररकांत
- खोयी हुई दिशाएँ :कमलेश्वर"
- यही सच है :मन्नू भंडारी
- चीफ की दावत: भीष्म साहनी
- परिंदे: रेणु
- वापसी: उषा प्रियंवदा
- पिता :ज्ञान रंजन
- कोशी का घटवार: शेखर जोशी
-

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

प्रस्तावितपुस्तकें :

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद एक साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी
3. आज का हिंदी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान
4. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया – देवेश ठाकुर
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास – नरेंद्र मोहन
6. क्रांति का विचारऔरहिंदीउपन्यासप्रेमसिंह
7. कहानी : नयी कहानी – नामवरसिंह
8. नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
9. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
10. एक दुनिया समानांतर – राजेंद्र यादव
11. नयी कहानी प्रकृति और पाठ – सुरेंद्र चौधरी

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA
M.A
Two Year Post Graduate Course
Semester I
HINDI LITERATURE
DSE / GE
हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

इकाई– 1 : वैश्वीकरण, भाषा, समाज और साहित्य

इकाई– 2 : हिंदी सिनेमा और हिंदी की दुनिया : सांस्कृतिक संवाद व सम्प्रेषण

इकाई– 3 : हिंदी का विश्व–सन्दर्भ, संयुक्त राष्ट्र में हिंदी

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मलेनः जरूरत और भूमिका, 21वीं सदी में हिंदी की वैश्विक चुनौतियाँ

सहायक ग्रंथ

- प्रवासी हिंदी साहित्य –कमल किशोर गोयनका
- मॉरीशस का हिंदी साहित्य –वीरसिंह, जागासिंह
- मॉरीशस का हिंदी साहित्य –मुनीश्वर चिंतामणि
- सूरीनाम हिंदुस्तानी–भावना सक्सेना
- फीज़ी का सर्जनात्मक साहित्य –विमलेशकांति वर्मा
- सूरीनाम का सर्जनात्मक हिंदी साहित्य –विमलेश कांतिवर्मा
- फीजी में हिंदी : स्वरूप और विकास विमले

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA
M.A
Two Year Post Graduate Course
Semester II
HINDI LITERATURE
DCC
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई 1

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमिः सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक
  (1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक का राजनीतिक इतिहास, नवजागरण)
- भारतेंदु युग रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ,प्रमुख साहित्यकार:
- द्विवेदी युग रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ,प्रमुख साहित्यकार:
- छायावाद रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ,प्रमुख साहित्यकार:

इकाई 2

- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नई कविता
- समकालीन कविता

इकाई 3

- निबंध, आलोचना, नाटकः उद्भव और विकास

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

- उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र
3. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : बच्चनसिंह
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ: नामवरसिंह
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
8. हिंदी काव्य का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास – पूरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी
10. हिंदी साहित्येतिहास की भूमिका (भाग–3): सूर्यप्रसाद दीक्षित
11. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA
M.A
Two Year Post Graduate Course
Semester II
HINDI LITERATURE
DCC
पाश्चात्य काव्यशास्त्र-

इकाई–1

क अरस्तू अनुकरण संबंधी मान्यता, विरेचन, त्रासदी विवेचन

ख लोजाइनस उदात्त संबंधी मान्यता

इकाई–2

क कॉलरिज कविता और काव्य भाषा संबंधी मान्यता, कल्पना–सिद्धांत

ख टी. एस. इलियट परंपरा और वैयक्तिक प्रजा, निर्वैयक्तिक काव्य का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सह–संबंध

इकाई 3

सामान्य परिचयः स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर–संरचनावाद

विम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडम्बना, फैंटेसी, मिथक

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

सहायक ग्रंथ :

साहित्य सिद्धान्त	–	राम अवध द्विवेदी
साहित्य सिद्धान्त	–	रेनेवेलक ऑस्टिन वारेन (अनुवाद)
पाश्चात्य काव्यशास्त्र	–	देवेन्द्रनाथ शर्मा
हिंदी साहित्य कोश	–	संपा. धीरेन्द्र वर्मा
चिन्तामणि	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
आस्था के चरण	–	नगेंद्र
कविता के नयेप्रतिमान	–	नामवरसिंह
पाश्चात्य साहित्य–चिंतन	–	निर्मलाजैन
हिंदी आलोचना के बीज शब्द	–	बच्चनसिंह
एक साहित्यिक की डायरी	–	मुक्तिबोध
आलोचना से आगे	–	सुधीश पचौरी
मिथकीय अवधारणा और यथार्थ	–	रमेश गौतम

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY BANSWARA

M.A

Two Year Post Graduate Course

Semester II

HINDI LITERATURE

DCC

आधुनिक काल:हिंदी काव्य

इकाई 1

- मैथिलीशरणगुप्त : साकेत
  नवम् सर्ग
- जयशंकरप्रसादः कामायनी
  चिंता, श्रद्धा और इड़ा सर्ग

इकाई 2

- **निराला**ः राग–विराग : सं. रामविलास शर्मा
  राम की शक्तिपूजा
- **मुक्तिबोध** : चाँद का मुँह टेढ़ा है
  अँधेरे में

इकाई 3

- **अज्ञेय** :आँग के पार द्वार
  असाध्य वीणा
- **शमशेर**ः प्रतिनिधि कविताएँ (सं.) नामवरसिंह
  - हार हार समझा में

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

- चुका भी हूँ मैंन हीं
- जीवन की कमान
- सींग और नाखून
- राग

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. अतीत का हंस –प्रभाकर श्रोत्रिय
2. साकेतः एक अध्ययन –नगेन्द्र
3. मैथिलीशरणगुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र –कृष्णदत्त पालीवाल
4. त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) –जानकी वल्लभ शास्त्री
5. छायावाद के आधार स्तंभ–गंगाप्रसाद पाण्डेय
6. छायावाद–नामवरसिंह
7. छायावादी कवियों का सौंदर्य विधान–सूर्यप्रसाद दीक्षित
8. जयशंकर प्रसाद–नंददुलारे वाजपेयी
9. कामायनी एक पुनर्विचार–मुक्तिबोध
10. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ –नगेन्द्र
11. निराला की साहित्य साधना, भाग–2 –रामविलास शर्मा
12. कवि निराला–नंददुलारे वाजपेयी
13. निराला : आत्महता आस्था –दूधनाथ सिंह
14. निराला काव्य की छवियाँ –नंदकिशोर नवल
15. नयी कविता और अस्तित्वाद – रामविलास शर्मा
16. कविता के नए प्रतिमान – नामवरसिंह
17. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह
18. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
19. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव
20. समकालीन हिंदी कविता – रवींद्र भ्रमर
21. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
22. अज्ञेय साहित्य प्रयोग और मूल्यांकन – केदार शर्मा
23. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा – नंदकिशोर आचार्य
24. रघुवीर सहाय की कविता – सुरेश शर्मा
25. कवियों का कवि – शमशेर रंजना अरगड़

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA
M.A
Two Year Post Graduate Course
Semester II
HINDI LITERATURE
DSE / GE
हिंदी नाटक

इकाई 1 : जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त

इकाई 2 : धर्मवीर भारती : अंधायुग

इकाई 3 : मोहन राकेश : आधे–अधूरे

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास : दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक समाजशास्त्रीय अध्ययन – सीताराम झा 'श्याम'
4. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
5. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
6. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश
7. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभावः दशरथ ओझा
8. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद्र जैन
9. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
10. हिंदी नाटक आजकलः जयदेव तनेजा
11 . भारतीय नाट्य साहित्य : नगेंद्र

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

GOVIND GURU TRIBAL UNIVERSITY
BANSWARA
M.A
Two Year Post Graduate Course
Semester II
HINDI LITERATURE
DSE / GE
शोध प्रविधि

इकाई-1

- शोध प्रविधि स्वरूप परिचय
- शोध से अभिप्राय स्वरूप एवं विशेषताएँ
- हिंदी में शोध का आरंभ
- शोध के क्षेत्र
- शोध के प्रकार
- साहित्यिक शोध की विशेषताएँ

इकाई-2

- शोध और विषय चयन
- शोध और तथ्य विश्लेषण
- शोध और निष्कर्ष

इकाई - 3

- शोधसंबंधी समस्याएँ-
- एक अच्छे शोधार्थी के गुण
- हिंदी में शोध की दशा और दिशा

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

सहायक ग्रंथ

- अनुसंधान का स्वरूप - सावित्री सिन्हा
- अनुसंधान की प्रक्रिया - सावित्री सिन्हा विजयेन्द्र स्नातक /
- शोध प्रविधि - - विनयमोहन शर्मा
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका- मैनेजर पाण्डेय
- राइटिंग इन सोसाइटी - रेमंड विलियम्स
- संरचनात्मक शैली विज्ञान - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- सोशियोलॉजी ऑफ लिटरेचर - डायना लौरेंसन एलेन स्विंगवुड /

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

सहायक ग्रंथ

- अनुसंधान का स्वरूप - सावित्री सिन्हा
- अनुसंधान की प्रक्रिया - सावित्री सिन्हा विजयेन्द्र स्नातक /
- शोध प्रविधि - - विनयमोहन शर्मा
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका- मैनेजर पाण्डेय
- राइटिंग इन सोसाइटी - रेमंड विलियम्स
- संरचनात्मक शैली विज्ञान - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- सोशियोलॉजी ऑफ लिटरेचर - डायना लौरैंसन एलेन स्विंगवुड /

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)